

Fourteenth Loksabha

Session : 10

Date : 30-04-2007

Participants : [Hussain Shri Syed Shahnawaz](#), [Singh Dr. Raghuvansh Prasad](#), [Singh Dr. Raghuvansh Prasad](#), [Singh Shri Prabhunath](#), [Singh Shri Rajiv Ranjan](#), [Dasmunsi Shri Priya Ranjan](#)

Title: Alleged derogatory remarks made by Union Rural Development Minister against Chief Minister of Bihar.

श्री प्रभुनाथ सिंह (महाराजगंज, बिहार): अध्यक्ष महोदय, मैं एक गंभीर सवाल को आपके समक्ष रखना चाहता हूँ।

MR. SPEAKER: May I make a submission to all the hon. Members? I do not know whether it is correctly reported; nobody can support it. The Minister is here.

Mr. Minister, would you like to respond on this question?

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, हमें अपनी बात कह लेने दीजिए। हम कोई शब्द ऐसा कहना नहीं चाहते हैं जिससे कोई व्यक्ति आहत महसूस करे। देश एक संघ है और प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चुनी हुई सरकार केन्द्र और राज्यों में होती है तथा केन्द्र और राज्यों के कार्यक्षेत्र भी बंटे हुए हैं। लेकिन बिहार में देखने को मिल रहा है कि जब एक केन्द्रीय मंत्री बिहार में जाते हैं तो केन्द्रीय मंत्री का जो आचरण होना चाहिए, उसके विरुद्ध वहां बातें कहते हैं। जैसे, कभी कहते हैं कि केन्द्र का पैसा है। सर, केन्द्र के पैसे में राज्य का राज्यांश होता है, केन्द्र राज्यों को कोई कर्ज नहीं देता है। कहते हैं कि ये खर्च नहीं करते हैं। सर, बात तब बिगड़ जाती है जब केन्द्र का कोई मंत्री जाकर कहता है कि हम बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जीभ खींच लेंगे और आगे कहता है कि हम धकिया कर कुर्सी से उन्हें उतार देंगे। अध्यक्ष महोदय, इससे वहां के आम लोगों में जहां तनाव का वातावरण बनता है, वहीं पर विकास के कार्य बाधित होते हैं तथा राज्य और केन्द्र के संबंधों में खटास की भी संभावना बढ़ती है। यह बात और कोई नहीं वरन् केन्द्र के ग्रामीण विकास मंत्री श्री रघुवंश प्रसाद सिंह जी ने कही और मीडिया के चैनल पर काफी चलाई गयी, अखबारों में छपी। म[r14]डिया ने जब दोबारा पूछा, तो रघुवंश प्रसाद जी ने कहा कि मैं अपनी बात पर कायम हूँ और बिना जीभ खींचे, मैं नहीं छोड़ूंगा। मीडिया ने लिखा है - नीतीश की जीभ खींचने की बात पर रघुवंश कायम।

MR. SPEAKER: I have requested the Minister to come here today.

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, मैं आपसे एक निवेदन करना चाहता हूँ। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: I am not protecting. I am trying to protect each other's dignity, everybody's dignity.

श्री प्रभुनाथ सिंह : महोदय, मैं कहना चाहता हूँ कि या तो केंद्रीय मंत्री को सदन के माध्यम से देश से क्षमा मांगनी चाहिए या प्रधानमंत्री जी को ऐसे आचरण वाले केंद्रीय मंत्री को बर्खास्त करना चाहिए। कोई केंद्रीय मंत्री राज्य के मुख्यमंत्री को गाली दे और राज्य के विधायक और मंत्री केंद्रीय मंत्री को गाली दें, यह उचित नहीं है। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Shri Syed Shahnawaz Hussain and Shri Rajiv Ranjan Singh 'Lalan' are associating with this.

... *(Interruptions)*

SHRI KHARABELA SWAIN : Sir, please allow Shri Syed Shahnawaz Hussain to speak on this. ...
(Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri Syed Shahnawaz Hussain, I have mentioned your name also.

... (Interruptions)

श्री सैयद शाहनवाज़ हुसैन (भागलपुर): अध्यक्ष महोदय, मैं कोई गलत बात नहीं कहना चाहता हूँ। श्री नीतीश कुमार जी बिहार के नौ करोड़ लोगों की आवाज हैं और वे बिहार के आइकॉन हैं। ... (व्यवधान)

ग्रामीण विकास मंत्री (डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह) : अगर सवाल उठाया है, तो उत्तर भी सुन लीजिए।

MR. SPEAKER: Nothing more will be recorded except the Minister's statement.

(Interruptions)* ...

MR. SPEAKER: Shri Syed Shahnawaz Hussain, please cooperate. You are also saying the same thing. You are a very able person.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Shri Rajiv Ranjan Singh 'Lalaln', your name has already been recorded.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Nothing more will be recorded.

(Interruptions)* ...

* Not recorded

MR. SPEAKER: Nothing more is being recorded. I would not allow this. It is not a debate. I have allowed it because यह बड़ा मामला है।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : अध्यक्ष महोदय, माननीय प्रभुनाथ सिंह ने ठीक सवाल उठाया है। इसमें प्रमुख बात केंद्र और राज्य के संबंधों की है। किसी राज्य के मुख्यमंत्री, मंत्री या अन्य लोग तथा केंद्र सरकार के मंत्रियों या अन्य लोगों का क्या दायित्व है, यह सभी को जानना चाहिए, समझना चाहिए और इसका अनुपालन भी होना चाहिए।

अध्यक्ष महोदय, नेशनल हाईवे की 980 किलोमीटर सड़क चार लेन करने के लिए केंद्र सरकार ने ... (व्यवधान)। आप मेरी बात सुनिए ... (व्यवधान)। आप पहले मेरी बात तो सुन लीजिए, आप अखबार पढ़कर सुना रहे हैं, लेकिन मेरी बात नहीं सुन रहे हैं... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग बैठ जाइए।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Tempers do not help. Please sit down.

... (Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : श्रीमती किरण जी आप भी बैठ जाइए।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have already made an observation. The whole country is watching us. Shri Prabhunath Singh, you have raised serious objection about certain observations which appeared to have been made, as you say, by an hon. Minister at the Centre. I have said that if it is correct, probably some explanation can be given.

... (Interruptions)

SHRI SYED SHAHNAWAZ HUSSAIN : He is not giving. ... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Just listen to him. He is entitled to get respect. As Shri Nitish Kumar, who is a very respected leader of this country, entitled to get respect, he is also entitled to get respect.

... (Interruptions)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा (दक्षिण दिल्ली) : मंत्री जी ने यह बात कही है या नहीं, इस बारे में बताएं?

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : क्या मैं आपके कहने पर बोलूंगा। श्री प्रभुनाथ सिंह ने सवाल उठाया है, उनकी बात का ही हम उत्तर देंगे।... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: You cannot dictate. Nobody can dictate.

... (Interruptions)

कुँवर देवेन्द्र सिंह यादव (एटा) : महोदय, आपके आदेश का उल्लंघन हो रहा है।... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: You have no patience. Please listen to the hon. Minister.

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : महोदय, ये लोग सच्चाई को सुनना नहीं चाहते हैं। श्री लालू प्रसाद यादव और श्री बालू जी ने बैठ कर तय किया कि बिहार के नेशनल हाईवे की 980 किलोमीटर सड़क को चार लेन का किया जाए। यह प्रस्ताव दिसम्बर में कैबिनेट में आया।... (व्यवधान)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : ये क्या बोल रहे हैं?

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह: दिसंबर में कैबिनेट में आया ... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप इसके बारे में बोलिए।

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह: जी, महोदय, 8000 करोड़ रुपए की सड़क स्वीकृत हुई और उसमें 8 करोड़ प्रति किलोमीटर खर्च अधिक था इसलिए देर हो गई, हाल ही में अप्रैल महीने में उसे पारित किया गया। इस बीच में दिसंबर से अप्रैल तक वहां के मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री और सड़क मंत्री, तीनों ने सात बार यह बयान किया कि केंद्र सरकार के मंत्री उसे रोक रहे हैं। ऐसा अनर्गल बयान, जनता के खिलाफ बयान और गैर जवाबदेही बयान, इस संसदीय प्रणाली में कभी हो नहीं सकता। जब-जब मैं पटना जाता हूं... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: But Mr. Minister, whatever may be the provocation. I am sure you would agree such a language may be avoided. Therefore, I am sure, you would withdraw those words.

... (Interruptions)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह: महोदय, एक पंक्ति बाकी है। किसी राज्य के मुख्यमंत्री और मंत्री को यह अधिकार है कि केंद्र सरकार के मंत्री की नीयत पर शक करना और राज्य के खिलाफ यह कहना कि... (व्यवधान) यहां से, केंद्र से पैसे भेजे जा रहे हैं, खर्चा नहीं हो रहा है, बिहार की जनता का अहित हो रहा है और बिहार की जनता के साथ छल-फरेब हो रहा है।... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: But that language may have been avoided.

... (Interruptions)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह: इसीलिए महोदय, जो सवाल अखबार में उठाया गया है उसकी प्रतिक्रिया कैसे व्यक्त की जाएगी इसलिए ग्रामीण मुहावरे का प्रयोग हुआ। मुहावरे में हाथ खींचना, देह खींचना, कान काटना, नाक कटना, दांत खट्टे करना, विभिन्न अंगों के साथ हिंदी में मुहावरा है। भाषा विज्ञान को समझना चाहिए, ये लोग नहीं समझते। इसलिए भाषा विज्ञान के लोग जानते हैं, गांवों में लोग कहते हैं जुबान बंद कर दूंगा, दांत खट्टे कर दूंगा, धूल चटा दूंगा, ये सब मुहावरे हैं। जब केंद्रीय मंत्री की नीयत पर शक किया गया, यहां से जो पैसे जा रहे हैं, खर्च नहीं हो रहे हैं... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Therefore, you are withdrawing those words.

... (Interruptions)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह: और तो और रीजन ग्रांट फंड का एक पैसा बिहार सरकार ने नहीं लिया। 540 करोड़ रुपए बिहार नहीं ले सका। बिहार का अहित हुआ, जनता के अहित को हम देख नहीं सकते, बर्दाश्त नहीं कर सकते। इसलिए... (व्यवधान)

12.18 hrs.

-

**(At this stage Shri Ashok Pradhan and some other hon. Members
came and stood on the floor near the Table)**

अध्यक्ष महोदय : आप जाईए।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: Hon. Members, please go back to your seats.

... (Interruptions)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह: आप सुनिए। मेहरबानी करके आ जाइए।

... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप सीट पर जाएं।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I have already expressed my view.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: He is an efficient Minister. I am sure, he did not mean those words physically.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: Hon. Members, he is withdrawing those words. He has withdrawn those words. Kindly go back to your seats.

... (Interruptions)

MR. SPEAKER: I am treating them as withdrawn.

... (Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : आप विज्ञो कर लीजिए। ठीक है, वे शब्द विज्ञो हो गए।

... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : विज्ञो हो गया।

... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: I am recording them as withdrawn.

... (Interruptions)[r15]

MR. SPEAKER: May I appeal to you? You have sufficiently expressed your views. I have also made some observation. I am sure he does not wish to reiterate that and I treat it that he has withdrawn it. आप बोल दीजिए।

... (व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : ऐसे कैसे बोलें, ये लोग पहले अपनी सीटों पर जाएं, अभी हमारा कहना बाकी है।... (व्यवधान) ये लोग पहले सीटों पर जाएं। महोदय, आपके हुक्म का हम पालन करेंगे। लेकिन ये लोग सीटों पर जाएं।... (व्यवधान) ऐसे हम क्या बोलेंगे।... (व्यवधान) ऐसे ही ये लोग बीच में आकर असंसदीय आचरण रहे हैं।... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग अपनी सीटों पर जाइये। Please go to your seats. Where are your leaders?

... (Interruptions)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : हम इन्हें यहां से जवाब देंगे।... (व्यवधान)

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : ये लोग मुहावरे का अर्थ ही नहीं समझ रहे हैं।... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप उन्हें बोलने दीजिए। आप लोग अपनी सीटों पर जाइये।

12.21 hrs.

(At this stage Shri Ashok Pradhan and
some other hon. Members went back to their seats)

अध्यक्ष महोदय : आप उन्हें बोलने दीजिए। ऐसे वह कैसे बोलेंगे। उन्हें बोलने दीजिए। लोग अपनी सीटों पर जाए, तभी वह बोल सकेंगे।
प्लीज, मेहरबानी करके आप लोग बैठ जाइये।

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : Sir, he should withdraw the remarks.

अध्यक्ष महोदय : आप लोग सुनिये, वह क्या बोल रहे हैं। सुमित्रा जी, आप बैठ जाइये। Let us listen to what he says.

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइये। आप यह छोड़िये, यह क्या हो रहा है। आपने सॉरी बोल दिया है।

श्री राजीव रंजन सिंह ललन (बेगूसराय) : यह माफी मांगने की बजाय मुहावरा बता रहे हैं।...(व्यवधान)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : महोदय, माननीय सदस्य, श्री प्रभुनाथ सिंह जी ने ऑब्जर्वेशन के बारे में एक सवाल उठाया...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग बैठ जाइये। यह क्या हो रहा है? आप बैठ जाइये।

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह : माननीय सदस्य, श्री प्रभुनाथ सिंह जी ने अखबार और मीडिया में कुछ ऑब्जर्वेशन

के संबंध में सवाल उठाया। आपने कृपापूर्वक मुझे रिस्पांड करने के लिए इजाजत दी, हम रिस्पांड करने के लिए खड़े हैं। हमारा कहना अभी बाकी है, बीच में ये लोग आकर क्या चाहते हैं, यह हम नहीं जानते। जो प्रक्रिया है कि कोई सदस्य सवाल उठाये तो उसका ठीक ढंग से रिस्पांड होना चाहिए। आपने कृपापूर्वक मुझे इजाजत दी और हम पृष्ठभूमि बता रहे थे कि क्या बातें हो रही हैं। बिहार की जनता का बड़ा अहित हो रहा है। यहां से जो पैसे जा रहे हैं, वे खर्च नहीं हो रहे हैं। ...(व्यवधान) बैकवर्ड रीजन ग्रांट फंड का 540 करोड़ रुपये बिहार सरकार नहीं ले सकी और 900 करोड़ रुपया राष्ट्रीय फंड विकास का खर्च का नहीं हुआ और जब बिहार के हित में बोला जाता है तो ...(व्यवधान)

12.23 hrs

(At this stage Shri Ashok Pradhan and some other

hon. Member came and stood on the floor on the Table)

डॉ. रघुवंश प्रसाद सिंह : जब बिहार के हित में बोला जाता है तो ये ऐसे ढंग से बयान करते हैं कि केन्द्र के मंत्री उसे रोक रहे हैं। ...(ब्यवधान) महोदय, आपको एक्सपंज करने की शक्ति है, जो सब असंसदीय बातें हैं उन्हें एक्सपंज कर दिया जाए। ...(ब्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : एक्सपंज कर दिया, उन्होंने बोला है। He has said that. He is withdrawing that.

... *(Interruptions)*

THE MINISTER OF PARLIAMENTARY AFFAIRS AND MINISTER OF INFORMATION AND BROADCASTING (SHRI PRIYA RANJAN DASMUNSI): Sir, he himself said that anything that he had said derogatory can be expunged.

अध्यक्ष महोदय : मल्होत्रा जी, आप बोलिये।

...(ब्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : उन्होंने बोल दिया, विद्वद्ग कर लिया। उन्होंने खुद एक्सपंज कर दिया।

...(ब्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हम क्या करेंगे, हमने उन्हें बोला है। He has expunged it.

... *(Interruptions)*

MR. SPEAKER: I have expressed my view. I do not approve of the use of such language. I have said that. He said whatever has been said that has been expunged.

... *(Interruptions)*

MR. SPEAKER: I can only appeal to all the hon. leaders to see that the House continues and functions. You are going to raise an important issue[[MSOffice16](#)]. I want to do that.

[[MSOffice17](#)]

... *(Interruptions)*

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : एक्सपंज कहां से करना है? ...(ब्यवधान) Sir, you made an observation that he should withdraw these words. He only, simply said it may be expunged. ... *(Interruptions)* He made a statement outside. You ask him to withdraw it. ... *(Interruptions)*

अध्यक्ष महोदय : अंग्रेजी में उसे ही एक्सपंज बोलते हैं।

...(ब्यवधान)

12.26 hrs. (At this stage Shri Ashok Pradhan and some other

hon. Member went back to their seats)

MR. SPEAKER : Prof. Vijay Kumar Malhotra to speak on your issue.

... (Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : मल्होत्रा जी, बोलिए।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER : I said these words are not part of record.

... (Interruptions)

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : कहां से एक्सपंज होगा? If he does not withdraw, what to do? ... (Interruptions)

MR. SPEAKER : Instead of the word 'withdraw' he said 'expunge'.

PROF. VIJAY KUMAR MALHOTRA : From where will it be expunged?

MR. SPEAKER : From his earlier statement.

प्रो. विजय कुमार मल्होत्रा : सर, आपने जब यह ऑब्जर्वेशन किया है कि ऐसी भाषा का प्रयोग नहीं करना चाहिए तो ये उसको विदड़ों कर लें। इसमें क्या बात है?... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : वह तो इन्होंने बोल दिया है। अरे, विदड़ों क्या करेंगे, उन्होंने तो एक्सपंज बोला है।

...(व्यवधान)

डा. रघुवंश प्रसाद सिंह : हमने जो मुहावरा कहा है, उससे जो दुख हुआ है, उसे हम विदड़ों करते हैं।... (व्यवधान) लेकिन ये लोग जो बिहार से छल करते हैं, धोखा करते हैं, उसका क्या होगा? इसकी भी फरियाद होनी चाहिए।... (व्यवधान) ये जो बिहार की जनता के साथ धोखा और छल हो रहा है और पैसा खर्च नहीं हो रहा है, ... (व्यवधान) और...* इस पर भी विचार होना चाहिए। ... (व्यवधान) बिहार की जनता के हित में हम हर कुछ करने को तैयार हैं। हमने हर कुछ किया है और आगे भी करेंगे। यही मैं सदन में घोषणा करता हूं। यूपीए गठबंधन राज्यों को पूरी सहायता दे रही है जिससे गरीबों को अधिकार मिले, उनको सम्मान मिले, उनका काम हो, उनका विकास हो और बिहार का पिछड़ापन दूर हो। इसके लिए हम काम करेंगे और ये लोग बिहार का अहित कर रहे हैं। ... (व्यवधान) एन.डी.ए. वाले धोखा और छल कर रहे हैं।... (व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : ठीक है। हो गया।

...(व्यवधान)

श्री राजीव रंजन सिंह 'ललन' (बेगूसराय) : पिछले 15 सालों में क्या हुआ?... (व्यवधान)

MR. SPEAKER : Shri Rajiv Ranjan Singh 'Lalan', please take your seat.

... (Interruptions)

अध्यक्ष महोदय : ललन जी, अब हो गयÉ*[r18] The matter is over.

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER : Please allow the House function. We have to discuss the Finance Bill which is such an important matter.

... (*Interruptions*)